

UP सरकार ने पुलिसि और फोरेंसिक क्षमता बढ़ाई

चर्चा में क्यों?

संवधान दविस (26 नवंबर) पर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **फोरेंसिक वजिज्ञान और साइबर सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन** के दौरान पारदर्शी पुलिसि भर्ती और क्षेत्रीय स्तर पर **फोरेंसिक लैब** की स्थापना के लिये राज्य की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

- ये पहल कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाने, पीड़ितों के लिये समय पर न्याय सुनिश्चित करने तथा **सुशासन** बनाए रखने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

मुख्य बडि

- सम्मेलन की मुख्य बातें:
 - नये आपराधिक कानून:
 - भारत ने हाल ही में **तीन नए आपराधिक कानून लागू किये हैं: भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023**
 - 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी इन कानूनों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करके नागरिकों की सुरक्षा करना है कि बिना उचित साक्ष्य के किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जाए।
 - कानून और व्यवस्था में चुनौतियाँ और सुधार:
 - 2017 से पहले, उत्तर प्रदेश को **कानून और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा था**, जिसमें गुंडागर्दी (बर्बरता/हिसा) का प्रचलन अधिक था।
 - उत्तर प्रदेश सरकार ने पाया है कि पिछली सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिसि में आधे से ज्यादा पद खाली थे। इस स्थिति से नपिटना मौजूदा सरकार का मुख्य ध्यान बन गया है।
 - पारदर्शी भर्ती और फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ:
 - राज्य सरकार ने पारदर्शी तरीके से **154,000 से अधिक पुलिसिकर्मियों की भर्ती की है** और हाल ही में अतिरिक्त **7,200 पुलिसिकर्मियों की भर्ती शुरू की है**।
 - इससे पहले **फोरेंसिक लैब चार स्थानों तक सीमति थीं**। अब, ज़ोनल स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली फोरेंसिक लैब स्थापति की गई है और उन्हें **रेंज स्तर तक वसितारित करने की योजना है**।
 - ये प्रयोगशालाएँ आपराधिक मामलों में साक्ष्य जुटाने और न्याय सुनिश्चित करने के लिये महत्वपूर्ण हैं।
 - साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक वजिज्ञान पहल:
 - आज उत्तर प्रदेश में **1,775 पुलिसि स्टेशन साइबर हेल्पलाइन से लैस हैं**, जिससे **साइबर अपराध** से नपिटने में राज्य की क्षमता बढ़ गई है।
 - इसके अतिरिक्त, **फोरेंसिक जाँच को और अधिक सहायता प्रदान करने** तथा न्यायालय में प्रस्तुत **साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार करने के लिये उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक वजिज्ञान संस्थान की स्थापना की गई है**।

संवधान दविस

- संवधान दविस, जिसे **राष्ट्रीय कानून दविस** या **संवधान दविस** के रूप में भी जाना जाता है, भारत में प्रतिवर्ष **26 नवंबर** को भारत के संवधान को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
 - 29 अगस्त, 1947** को संवधान सभा ने भारत के लिये संवधान का प्रारूप तैयार करने हेतु **डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में एक मसौदा समिति** का गठन किया।
 - 26 नवंबर, 1949** को भारत की संवधान सभा ने भारत के संवधान को अपनाया, जो **26 जनवरी, 1950** को लागू हुआ।
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** ने **19 नवंबर, 2015** को **26 नवंबर** को 'संवधान दविस' के रूप में मनाने के **भारत सरकार के निर्णय** को अधिसूचित किया।
- यह दनि संवधान के महत्त्व और संवधान के मुख्य वास्तुकार **बी.आर. अंबेडकर** के वचिारों और अवधारणाओं को फैलाने के लिये मनाया जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/up-government-boosts-police-and-forensic-capacity>

